Daily Current Affairs

Date : 29 November, 2025

अनुक्रमणिका

क्र. सं.	टॉपिक का नाम
1.	फिक्की का 98वाँ वार्षिक सम्मेलन
2.	हाई कोर्ट में मौजूदा जजों की संख्या बढ़ाने का प्रस्ताव
3.	RPSC सदस्य संगीता आर्य ने दिया इस्तीफा
4.	न्यूज़ इन शॉर्ट्स 1. प्रो. मदन मोहन झा कुलगुरु नियुक्त
5.	भारतीय सेना की तीन चरणीय योजना
6.	भारत और इंडोनेशिया: ब्रह्मोस
7.	स्काईरूट का पहला कक्षीय रॉकेट, विक्रम-I
8.	भारत की पहली एकीकृत आरईपीएम योजना
9.	Tex-RAMPS योजना
10.	बुनियादी पशुपालन सांख्यिकी 2025
11.	राष्ट्रीय लेखा सांख्यिकी और मुद्रास्फीति डेटा: अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष
12.	जी. वी. मावलंकर (1888 - 1956)

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

राजस्थान परिदृश्य

फिक्की का 98वाँ वार्षिक सम्मेलन

चर्चा में क्यों?

- फिक्की का 98वाँ वार्षिक सम्मेलन (AGM व Annual Convention) 28–29 नवम्बर 2025 को नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित किया गया। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सम्मेलन में राजस्थान को "व्यापार, निवेश और साझेदारी के लिए तैयार" राज्य के रूप में पेश करते हुए राज्य की तेज आर्थिक वृद्धि, निवेश पाइपलाइन और क्षेत्रीय संभावनाओं पर जोर दिया।

मुख्य बिन्दु:

- **विषय :** "India: Self Reliant Economic Powerhouse" (भारत: आत्मनिर्भर आर्थिक महाशक्ति)
- 98 वर्ष पुराने इंडस्ट्री चेंबर FICCI के इस वार्षिक मंच पर नीति निर्माता, उद्योग, निवेशक और विशेषज्ञ मिलकर भारत की आर्थिक रणनीति और निवेश रोडमैप पर विमर्श करते हैं।
- इस बार विशेष जोर भारत को 2047 तक 30 ट्रिलियन डॉलर वाली "विकसित अर्थव्यवस्था" बनाने, आत्मनिर्भर मैन्युफैक्चरिंग हब, रोजगार उन्मुख स्किलिंग और इनोवेशन ड्रिवन ग्रोथ मॉडल पर है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

हाई कोर्ट में मौजूदा जजों की संख्या बढ़ाने का प्रस्ताव

चर्चा में क्यों?

- हाईकोर्ट प्रशासन ने राज्य सरकार को जजों के 10 पद बढ़ाने का प्रस्ताव भेजा है। सरकार हाईकोर्ट प्रशासन के इस प्रस्ताव को सुप्रीम कोर्ट व केन्द्र को भेजेगी। प्रस्ताव मंजूर होने पर जजों की संख्या 60 हो जाएगी। फिलहाल कुल 50 पद हैं। इनमें भी 11 पद खाली हैं।

मुख्य बिन्दु:

- इससे पहले वर्ष 2018 में राजस्थान हाईकोर्ट में जानों के पदों की संख्या को 40 से बढ़ाकर 50 किया था। हाई कोर्ट में 6.85 लाख केसों की पेंडेंसी है। ऐसे में हर जज पर 17.5 हजार केसों का भार है। अन्य राज्यों की हाईकोर्ट में राजस्थान हाईकोर्ट की तुलना में ज्यादा जज हैं।
- न्यायमूर्ति संजीव प्रकाश शर्मा राजस्थान उच्च न्यायालय के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश हैं, जिनकी नियुक्ति 27 सितंबर, 2025 को हुई थी। भारत के संविधान के अनुच्छेद, 223 के अनुसार, यदि पद रिक्त है या मुख्य न्यायाधीश अपने कर्त्तव्यों का पालन करने में असमर्थ हैं, तो भारत के राष्ट्रपति कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश की नियुक्ति कर सकते हैं।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

RPSC सदस्य संगीता आर्य ने दिया इस्तीफा

चर्चा में क्यों?

- राजस्थान लोक सेवा आयोग की सदस्य डॉ. संगीता आर्य ने को इस्तीफा दे दिया। संगीता आर्य का कार्यकाल 13 अक्टूबर 2026 तक था इनकी नियुक्ति 14 अक्टूबर 2020 को हुई थी। आरपीएससी में सदस्यों के 10 पद है, इनमें से अब 4 पद खाली है।

मुख्य बिन्दु:

- राजस्थान लोक सेवा आयोग (RPSC) एक संवैधानिक संस्था है।
- **संवैधानिक प्रावधान:** संविधान के भाग XIV में अनुच्छेद 315 से अनुच्छेद 323 के तहत राज्य लोक सेवा आयोग (SPSC) की संरचना, उसके सदस्यों की नियुक्ति और निष्कासन तथा SPSC की शक्तियों और कार्यों के बारे में प्रावधान किये गए हैं।
- वर्तमान में RPSC में एक अध्यक्ष एवं नौ सदस्य हैं, जिनकी नियुक्ति राजस्थान के राज्यपाल द्वारा की जाती है।
- **त्यागपत्र:** राज्यपाल को संबोधित।
- **कार्यकाल:** आयोग के अध्यक्ष एवं सदस्य अधिकतम 6 वर्ष अथवा 62 वर्ष की उम्र जो भी पहले हो, के लिए कार्यरत रहते हैं।
- **नोट :** हाल ही में, राजस्थान लोक सेवा आयोग की सदस्य मंजू शर्मा ने भी अपने पद से त्याग-पत्र दे दिया। कांता कथूरिया, दिव्या सिंह, शिवपाल सिंह नांगल और श्याम सुंदर शर्मा के पश्चात अपने पद पर रहते हुए त्याग-पत्र देने वाली मंजू शर्मा RPSC की पाँचवीं सदस्य है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

न्यूज़ इन शॉर्ट्स

क्र. सं.	न्यूज़
1.	**प्रो. मदन मोहन झा कुलगुरु नियुक्त** ■ राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्री हरिभाऊ बागडे ने आदेश जारी कर प्रो. मदन मोहन झा को जगद्गुरु रामानंदाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर के कुलगुरु पद पर नियुक्त किया है। कुलगुरु पद पर यह नियुक्ति प्रो. मदन मोहन झा के कार्यभार संभालने की तिथि से 3 वर्ष या 70 वर्ष की आयु प्राप्त करने तक इनमें से जो भी पहले के लिए की है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

राष्ट्रीय परिदृश्य

भारतीय सेना की तीन चरणीय योजना

चर्चा में क्यों?

- चीफ ऑफ़ आर्मी स्टाफ ने वर्ष 2047 तक भारतीय थल सेना को एक एकीकृत व भविष्य के लिए तैयार सेना में बदलने के लिए एक व्यापक तीन-चरणीय रोडमैप का अनावरण किया।

मुख्य बिन्दु:

- उन्होंने भारत के सैन्य विकास के लिए चार प्रमुख आधारों पर भी प्रकाश डाला - आत्मनिर्भरता, अनुसंधान, अनुकूलन और एकीकरण।

तीन चरणीय योजना

- **चरण 1: 2032 तक (परिवर्तन का दशक) -** एक आधुनिक व चुस्त सेना के निर्माण के लिए क्षमताओं, बल संरचना और परिचालन संबंधी तत्परता में तीव्र वृद्धि करना।
- **चरण 2: 2032-2037 तक (समेकन) -** संगठन, प्रौद्योगिकी और सिद्धांत में पहले चरण में प्राप्त लाभों को मजबूत व एकीकृत करना।
- **चरण 3: 2037-2047 तक (पूर्णतः एकीकृत भावी सेना) -** अगली पीढ़ी के युद्ध के लिए तैयार, तकनीकी रूप से उन्न, नेटवर्कयुक्त और पूर्णतः एकीकृत सेना प्राप्त करना।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य

भारत और इंडोनेशिया: ब्रह्मोस

चर्चा में क्यों?

- भारत और इंडोनेशिया के रक्षा मंत्रियों ने नई दिल्ली में 'तीसरे भारत-इंडोनेशिया रक्षा मंत्रियों की वार्ता' की सह-अध्यक्षता की ।

मुख्य बिन्दु:

- दोनों पक्षों ने प्रस्तावित ब्रह्मोस सुपरसोनिक मिसाइल सौदे पर उल्लेखनीय प्रगति की।
- इंडोनेशिया ने ब्रह्मोस को प्राप्त करने में गहरी रूचि बनाए रखी है, विशेष रूप से मलक्का जलडमरूमध्य और व्यापक हिंद-प्रशांत क्षेत्र में समुद्री सुरक्षा को मजबूत करने के लिए।
- इंडोनेशिया भारत से यह हथियार प्रणाली खरीदने वाला दूसरा देश होगा , इससे पहले फिलीपींस ने वर्ष 2022 में यह हथियार प्रणाली खरीदी थी।
- **संयुक्त अभ्यासों-** सुपर गरुड़ शील्ड, गरुड़ शक्ति, समुद्र शक्ति, मिलन, तथा आगामी वायु युद्धाभ्यास की प्रगति की समीक्षा की गई।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

विज्ञान प्रौद्योगिकी

स्काईरूट का पहला कक्षीय रॉकेट, विक्रम-I

चर्चा में क्यों?

- प्रधान मंत्री ने विक्रम-1 का अनावरण किया। यह भारत का नया निजी क्षेत्रक का कक्षीय-श्रेणी प्रक्षेपण यान है।

मुख्य बिन्दु:

विक्रम-1

- **विकासकर्ता:** स्काईरूट एयरोस्पेस। यह हैदराबाद स्थित एक भारतीय निजी अंतरिक्ष स्टार्ट-अप है।
- **उद्देश्य:** उपग्रहों को निम्न भू कक्षा या सूर्य-तुल्यकालिक कक्षा में प्रक्षेपित करना। इसे लघु उपग्रहों और राइडशेयर मिशनों के लिए डिज़ाइन किया गया है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- **प्रणोदन:** चार-चरणीय रॉकेट- पहले तीन चरणों में ठोस-ईंधन बूस्टर का उपयोग किया जाता है,जबकि अंतिम चरण में सटीक कक्षीय प्रविष्टि के लिए द्रव-प्रणोदक "रमन" इंजन का उपयोग किया जाता है।
- **संरचना:** यह रॉकेट पूरी तरह से कार्बन-फाइबर से बना है। इसमें 3D-प्रिंटेड इंजन हैं।

स्काईरूट

- स्काईरूट भारत की अग्रणी निजी अंतरिक्ष कंपनी है।
- नवंबर 2022 में, स्काईरूट ने अपना उप-कक्षीय रॉकेट, विक्रम-एस लॉन्च किया, जो अंतरिक्ष में रॉकेट लॉन्च करने वाली पहली भारतीय निजी कंपनी बन गई।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

महत्त्वपूर्ण योजनाएँ

भारत की पहली एकीकृत आरईपीएम योजना

चर्चा में क्यों?

- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने सिंटर्ड रेयर अर्थ परमानेंट मैग्नेट के विनिर्माण को बढ़ावा देने की योजना को मंजूरी दे दी है।

मुख्य बिन्दु:

सिंटर्ड रेयर अर्थ परमानेंट मैग्नेट

- इस पहल का लक्ष्य भारत में एकीकृत दुर्लभ मृदा स्थायी चुम्बक (आरईपीएम) विनिर्माण क्षमता स्थापित करना है।
- **आरईपीएम-** जैसे कि नियोडिमियम-आयरन-बोरॉन (एनडीएफईबी) और सैमेरियम कोबाल्ट (एसएमसीओ)- दुनिया के सबसे मजबूत स्थायी चुम्बकों में से हैं।
- **योजना की अवधि:** 7 वर्ष
- **Gestation period:** 2 वर्ष
- **प्रोत्साहन संवितरण:** 5 वर्ष

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

Tex-RAMPS योजना

चर्चा में क्यों?

- केंद्र सरकार ने वस्त्र-केंद्रित अनुसंधान, मूल्यांकन, निगरानी, परियोजना एवं स्टार्ट-अप (Tex-RAMPS) योजना को स्वीकृति दी।

मुख्य बिन्दु:

'Tex-RAMPS' योजना

- **मंत्रालय:** केंद्रीय वस्त्र मंत्रालय
- **अवधि:** 2025-26 से 2030-31
- **उद्देश्य:** भारत के वस्त्र एवं परिधान (T&A) उद्योग को भविष्य-उन्मुख बनाना, तथा वस्त्र क्षेत्र में अनुसंधान, नवाचार और प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ावा देना।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

आर्थिक परिदृश्य

बुनियादी पशुपालन सांख्यिकी, 2025

चर्चा में क्यों?

- मत्स्यपालन, पशुपालन एवं डेयरी तथा पंचायती राज मंत्रालय ने बुनियादी पशुपालन सांख्यिकी, 2025 का वार्षिक प्रकाशन जारी किया।

मुख्य बिन्दु:

- **दूध:** भारत विश्व स्तर पर प्रथम स्थान पर है, 2024-25 में 247.87 मिलियन टन दूध का उत्पादन होगा, जो पिछले वर्ष की तुलना में 3.58% अधिक है। प्रति व्यक्ति उपलब्धता बढ़कर 485 ग्राम/दिन हो गई।
- **शीर्ष उत्पादक:** उत्तर प्रदेश, राजस्थान, मध्य प्रदेश, गुजरात और महाराष्ट्र (कुल मिलाकर 54.09%) हैं।
- **अंडे:** भारत विश्व स्तर पर दूसरे स्थान पर है, जहाँ 2024-25 तक 149.11 अरब अंडे का उत्पादन होगा, जो 4.44% की वृद्धि है। प्रति व्यक्ति उपलब्धता बढ़कर 106 अंडे/वर्ष हो गई है।
- **शीर्ष उत्पादक:** आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, तेलंगाना, पश्चिम बंगाल और कर्नाटक उत्पादन में 64.37% का योगदान देते हैं।
- **मांस:** भारत विश्व स्तर पर चौथे स्थान पर है, जिसका उत्पादन 2024-25 में 10.50 मिलियन टन होगा, जो 2.46% की वृद्धि है।
- **शीर्ष उत्पादक:** पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना मिलकर 57.55% का योगदान देते हैं।
- **ऊन:** उत्पादन 2.63% बढ़कर 34.57 मिलियन किलोग्राम तक पहुँच गया।
- **शीर्ष उत्पादक:** राजस्थान 47.85% के साथ सबसे आगे है, इसके बाद जम्मू और कश्मीर, गुजरात, महाराष्ट्र और हिमाचल प्रदेश का स्थान है, जिनका संयुक्त योगदान 85.98% है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

राष्ट्रीय लेखा सांख्यिकी और मुद्रास्फीति डेटा: अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष

चर्चा में क्यों?

- अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने भारत के राष्ट्रीय लेखा सांख्यिकी और मुद्रास्फीति डेटा को दूसरा-सबसे कम 'C' ग्रेड दिया।

मुख्य बिन्दु:

IMF की ग्रेडिंग को निम्नलिखित चार ग्रेड्स में विभाजित किया गया है:

- **ग्रेड A:** प्रदान किया गया डेटा निगरानी के लिए पर्याप्त है।
- **ग्रेड B:** डेटा में कुछ कमियाँ हैं, लेकिन यह निगरानी के लिए मोटे तौर पर पर्याप्त है।
- **ग्रेड C:** डेटा में कुछ कमियाँ हैं, जो निगरानी में कुछ हद तक बाधा डालती हैं।
- **ग्रेड D:** डेटा में गंभीर कमियाँ हैं, जो निगरानी में काफी बाधा डालती हैं।

IMF द्वारा रेखांकित मुद्दे

- **जीडीपी गणना के लिए पुराना आधार वर्ष (2011-12):** यह वर्तमान उत्पादन तकनीकों और उपयोगकर्ता की प्राथमिकताओं को दर्शाने में विफल रहता है।
- **अपडेटेड डेटा स्रोतों का उपयोग करने की आवश्यकता:** उदाहरण के लिए- अर्थव्यवस्था में संरचनात्मक परिवर्तनों को बेहतर ढंग से जानने के लिए घरेलू उपभोग और व्यय सर्वेक्षण, आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण आदि।
- **मौसमी रूप से समायोजित डेटा का अभाव:** राष्ट्रीय लेखा को मौसमी रूप से समायोजित नहीं किया जाता है। इससे अल्पावधि तिमाही गतिविधियों की व्याख्या करना कठिन हो जाता है।
- तिमाही राष्ट्रीय लेखा डेटा में पुरानी सांख्यिकीय तकनीकें।
- **उत्पादक मूल्य सूचकांक का अभाव:** थोक मूल्य सूचकांक का अत्यधिक उपयोग चक्रीयता संबंधी पूर्वाग्रह पैदा कर सकता है।
- **CPI के पुराने घटक:** IMF ने बताया कि वर्तमान CPI आधार वर्ष, मदों की टोकरी और भारांश (2011/12) पुराने हो चुके हैं।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

व्यक्तित्व

जी. वी. मावलंकर (1888 - 1956)

चर्चा में क्यों?

- लोक सभा अध्यक्ष ने प्रथम लोक सभा अध्यक्ष श्री गणेश वासुदेव मावलंकर को पुष्पांजलि अर्पित की।

मुख्य बिन्दु:

जी. वी. मावलंकर

- दादासाहेब के नाम से प्रसिद्ध, उन्हें जवाहरलाल नेहरू ने लोक सभा के जनक की उपाधि से सम्मानित किया था।
- वे गुजरात शिक्षा समिति व गुजरात सभा में सक्रिय रहे और स्वराज पार्टी में शामिल हुए।
- उन्होंने असहयोग आंदोलन और खैरा में लगान नहीं अभियान में सक्रिय भूमिका निभाई थी।
- वे बॉम्बे विधान सभा के अध्यक्ष (1937-1946) रहे, केंद्रीय विधान सभा के अध्यक्ष (1946) चुने गए थे और वर्ष 1949 में अनंतिम संसद के अध्यक्ष बने थे।
- वे राष्ट्रीय राइफल संघ और अफ्रीकी-एशियाई संबंध संस्थान के संस्थापक अध्यक्ष भी थे।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR